प्रणाली बदलने से पहले मस्तिक को बदलें - आचार्य महाप्रज्ञ

मोमासर 7 अप्रेल : राष्ट्रसंत आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि लोकतंत्र में कम से कम व्यवस्था का निर्माण करना होता है, और नियंत्रण भी कम होता है । पर आज राजतंत्र से ज्यादा नियत्रंण रखना पड रहा है । इसका कारण है, प्रणाली को बदल दिया गया पर आदमी के मस्तिक का परिवर्तन नहीं हुआ । जब तक मस्तिक को नहीं बदला जायेगा तब तक व्यवस्था बदंलने से काम नहीं चलेगा ।

आचार्य प्रवर कस्बे के मरूदेवा अतिथि गृह के प्रांगण में आयोजित प्रवचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे । उन्होने कहा कि लोकतंत्र अहिंसा के लिए अनुकुल प्रणाली है, पर मस्तिष्किय परिवर्तन न होने के कारण अहिंसा की बात समझ नहीं आ रही है । उन्होने कहा कि लोकतंत्र की वर्तमान व्यवस्था को देखता हूँ तो समस्या ही समस्या नजर आती है । सत्ता पर जितने भी आते हैं, उनमें अधिकांश का कषाय शांत नहीं होता । अंहकार और क्रोध उनके साथ रहते हैं । ऐसी स्थिति में समस्याओं का समाधान होना संभव नहीं है ।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि जो धर्म, काम और अर्थ में आसक्ति एवं फलाकांक्षा रखती है वह राजसी धृति कहलाती है । गृहस्थ को धर्म,अर्थ और काम में संतुलन रखना जरूरी होता है । अर्थ और काम जरूरी है । तो इसके रक्त धर्म का अंकुश होना जरूरी है । कोरा भोग ही न हो साथ में योग भी हो । केवल शरीर में ही नहीं आत्मा में भी रहना चाहिए । श्रीडूँगरगढ विधायक मंगलाराम गोदारा ने अपने विचार प्रकट किये । इस अवसर पर तेरापंथ सभा की और से सहस्वागाताध्यक्ष सुरेन्द्र पटावरी ने विधायक को और आसकरण संचेती ने शांतिलाल बरमेचा का प्रतीक चिन्ह एवं साहित्य भेंट कर सम्मान किया ।

भास्कर न्यूज, मोमासर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय कार्यकर्ता सशक्तिकरण कार्यशाला का शुभारम्भ आचार्य महाप्रज्ञ के मंगल आर्शीवचन से हुआ । कार्यक्रम के प्रथम सत्र में गण आप रो आपां गण रा विषय पर दिशा निर्देशन देते हुए साध्वी प्रमुका कनक प्रभा ने कहा की हमारा धर्म संघ प्राण है, शरण है, गति है, प्रतिष्ठा है । संघ हमारा है और हम संघ से है, एकता का सुत्र हमको बांध कर रखता है । स्वागत भाषण प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सुशीला पटावरी ने दिया कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मण्डल की राष्ट्रीय अध्यक्ष कनक बरमेचा ने की । इस अवसर पर मुख्य नियोजिका साध्वी विश्रुतविभा ने कहा कि अपनी पीढी में संघ के प्रति आस्था है, परन्तु हमारी वर्तमान पीढी इस विषय से दूर जा रही है । इसके दूसरे सत्र में संघ सम्पदा और हमारा गौरव विषय को प्रतिपादित करते हुए साध्वी शुभ्रप्रभा ने कहा हमारे यहां ज्ञान शाला में बच्चों के नव संस्कार दिये जाते है वहीं महिला मण्डल पारिवारिक सामाजिक व राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रमों को आयोजन कर रहा है इसी प्रकार युवक

- परिषद युवा पीढी के निर्माण में प्रमुख कार्यरत संस्था है इस अवसर पर बजरंग जैन भी अपने विचार प्रकट किए कार्यक्रम का संचालन सुमन बोरड और संगीता दुगड ने किया

शिविर आयोजित

मोमासर में बुद्धवार को स्थानीय राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आचार्य महाप्रज्ञ के सान्निध्य में शिशु रोग निदान शिविर का आयोजन स्व. बरजीदेवी पटावरी की स्मृति में स्थानीय तेरापंथ महिला मण्डल के सहयोग से आयोजित किया गया । शिविर में संयोजक किशनलाल पटावरी ने बताया की शिविर में कुल 146 बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गई इसके अलावा तीन बच्चों को जिनमें से मिरगी दूसरा बोल नहीं सकना और तीसरे के हदृय में छेद होने के कारण उनको बीकानेर पीबीएम के लिए रैफर कर दिया गया । मरीजों को निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया । शिविर में डॉ. मुकेश जनागल, डॉ.महेश शर्मा एवं डॉ. बनवारीलाल शर्मा ने अपनी सेवाएं दी ।